रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 • अंक – 10 एवं 11 • कानपुर 1 से 15 जून 2025 • प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के प्रकरण में अभी भी अड़चनें

मान्यता मिलने में

समय लग सकता है

एक समय था जब सब लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए काम करते थे, उसी के लिए जीते थे, उसी के लिए मरते थे, जो श्रद्धा और सम्मान परस्पर एक दूसरे को मिलता था वह अपने आप में एक मिसाल हुआ करती थी डा0 नन्दलाल सिन्हा ने क्या कहा ?डा0 प्रलयंकर ने क्या किया ?युद्धवीर सिंह जी कहाँ तक बढ़े ?सुखदेव प्रसाद श्रीवास्तव इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कहाँ तक लाये ?बल्देव प्रसाद सक्सेना ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए क्या त्याग किया ?इस पर परस्पर चर्चा तो होती थी परन्तु शायद ही ऐसा अवसर आया हो जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इन Geneous में कोई आरोप प्रत्यारोप का दौर चला हो सभी पद्धति के लिए, पद्धति के विकास के लिए अपना सबकुछ अपर्ण कर देना चाहते थे, यह था भारत वर्ष में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का स्थापित होने का काल खण्ड।

समय बदला, लोग बदले , लोगों का दृष्टिकोण बदला और इलेक्ट्रो होम्योपैथी का परिवार भी बढने लगा तो नये लोग जुड़ते गये और जब नये लोगों के चेहरे आने लगे तो उनके विचार भी आना स्वभाविक है उन विचारों से एकीकरण करते हुए नये विचारों को जन्म देना हमारी सफलता का प्रतीक माना जाता था, सन 1975 के आते आते इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कुछ क्रॉन्तिकारी परिवर्तन हुए और कुछ नये नाम जुड़े इन नये नामों में डा0 सी0 डी0 मिश्रा प्रभाकर, डा0 राम चन्द्र प्रसाद, डा0 एम0 एच0 इदरीसी, डा0 बी0 कुमार डा0 नरेन्द्र अवस्थी (स्मृति शेष डा0 एस0 एन0 झा, डा0 बी0 बी0 पी0 सिंह, डा0 बी0बी0 सिंहा आदि) के नाम प्रमुखतः से लोगों के जुबान पर चढ़े।

इन लोगों ने काम किया इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आगे बढ़ाया, आज भी प्रयासशील हैं उपरोक्त नामों में जो हमारे बीच नहीं हैं उनकी प्रेरणायें आज भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आगे बढ़ा रही हैं सन 1975 से 1999 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सवर्णिम युग के रूप में याद किया जाता है।

यद्यपि इस दौर में जो लोग भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी का काम कर रहे थे सबकी विचारधारा अलग थी, काम करने का तरीका अलग था, व्यवस्थायें अलग थी, परन्तु मन में मनभेद नहीं था, इसी काल खण्ड में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए एतिहासिक दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश पारित हुआ, 1998 में पारित दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश ने ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता के दिशा में मोड़ने का पहला कदम था, आन्दोलन भी खूब हुए चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुए और कुछ महत्वपूर्ण लोग भी जुड़े, जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी उत्तर प्रदेश और बिहार तक सीमित थी उसका विस्तार पूरे देश में हुआ, मध्य भारत और दक्षिण भारत में भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी खूब फली फूली और 1975 से लेकर 2000 के बीच में एक और युवा टीम खड़ी हुई जिसने कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया इनमें से बिहार में डा0 यू0 पी0 सिंह व के0 पी0 सिन्हा, बंगाल से डा0 आर0 बी0 मिश्रा, डा0 एस0 के0 विश्वास, मध्यप्रदेश से डा0 ए0 एन0 बख्शी, डा0 के0 के0 पाठक राजस्थान में डा0 किशन रक्षावत, आन्ध्रा में डा0 के0 ए0 बख्शी, महाराष्ट्र से पी0 ई0 पाटिल का नाम प्रमुखतः से उभर कर आया, इन लोगों ने भी काम किया और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास को गति दी यद्यपि इस दौरान 1990 से लेकर 1999 के मध्य, इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर कुछ आपसी असहमति व भेदभाव उभर कर सामने आये परन्तु तब भी कोई ऐसी स्थिति नहीं थी जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कोई संकट पैदा करती, इसी काल खण्ड में एक और नई पीढ़ी ने जन्म लिया जो सिर्फ आन्दोलन पर भरोसा करती थी इस नई टीम में कुछ ऊर्जावान थे परन्तु हम होंगे सबसे आगे के भोकाल ने बढ़ने की होड़ में, उन्हीं दिनों यह एकता तार–तार हो गयी।

हर नवोदित नेता अपने आप को ही सर्वमान्य नेतृत्वकर्ता मानने लगा, जिससे फूट पैदा हुई और इलेक्ट्रो होम्योपैथी आन्दोलन कई घड़ों में बंट गया, इन्हीं दिनों एक नया प्रचलन प्रभाव में आया अभी तक जो लोग शीर्ष संगठनों के साथ कार्य कर रहे थे वे खुद शीर्ष संस्था प्रमुख बन गये और यहीं से प्रारम्भ हुई इलेक्ट्रो होम्योपैथी की अधोगति की कहानी, स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने की होड़ में सारी मर्यादाओं को तोड़ कर आरोप प्रत्यारोप का जो सिलसिला शुरू हुआ वह आज भी जारी है।

यह अलग बात है कि अब कुछ नये चेहरे सामने आ गये हैं और इन्होंने जिस अन्दाज़ में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को स्वरूप दिया उससे पूराने सिर्फ संरक्षक बनकर रह गये, कभी कभी मन में यह बात कौंदती है कि यह दुर्दिन क्यों आये ?बहुत विचार करने के बाद जो तथ्य सामने आते हैं वे हमारे अग्रजों की बहुत अच्छी छवि नहीं प्रस्तुत करते हैं, स्वर्णिम युग में जो आन्दोलन चलाये गये उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हमारे शीर्ष संगठनों के संचालकों का आर्शीवाद था कुछ बातें उनमें से अच्छी निकलीं परन्तु बुराईयों की स्वीकारिता के कारण अच्छाईयां गौण हो गयीं, एक समय तो वह भी आ गया था जब प्रदेश के सबसे बड़े शीर्ष संगठन को बदनाम करने की नीयत से एक घृणित साजिश रची गयी, इस चक्रव्यूह की रचना में अपने ही शामिल थे परन्तु नीति को कुछ और ही मंजूर था इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को बहुत आगे जाना था, चक्रव्यूह तोड़ा गया साजिशों का पर्दाफाश हुआ वह सफ़ेदपोश लोग सामने आये परन्तु वह दौर स्वर्णिम युग था इसलिए मनमुटाव की नौबत नहीं आयी, सरकार पर लगातार बढ़ता दबाव बरबस सरकार को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दिशा तय करने के लिए एक नीति बनानी पड़ी जिसका परिणाम 25 नवम्बर, 2003 के रूप में सामने आया।

यद्यपि इस आदेश में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नुकसान होता लेकिन प्रकृति को तो कुछ और ही मंजूर था इसीलिए इस आदेश की गलत व्याख्या की गयी और पूरे देश में यह सन्देश फैला कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता सरकार द्वारा छीन ली गयी है और इस पर सरकार द्वारा प्रतिबन्ध लगा दिया गया है, (सोचने का विषय यह होना चाहिये कि सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दी ही कब थी जो छिन गयी इस ओर किसी का भी ध्यान नहीं जा रहा था बस ढिंडोरा पीटना शुरु हो गया, इस कुठाराघात से पूरा देश प्रभावित हो गया), एक अघोषित बन्दी सी हो गयी, इलेक्ट्रो होम्योपैथ अपने आप को ठगा सा महसूस करने लगा, लोग एक दूसरे पर अविश्वास करने लगे, तभी प्रदेश सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक आदेश जारी किया गया कि सभी चिकित्सक अपना पंजीयन जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के यहाँ करायें व प्रमाण–पत्र प्रदाता संस्थायें अपने पंजीयन का आवेदन शासन को प्रस्तुत करें।

यह आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संगठनों के लिए परेशानी का कारण बन कर आया प्रदेश के अधिकांश संगठन पंजीयन के अभाव में रातों रात बन्द हो गये कुछ लोगों ने भय के कारण तो अपना जमा जमाया व्यवसाय तक बदल दिया और यहीं से प्रारम्भ हुआ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विघटन का सिलसिला परन्तु वहीं कुछ ऐसे भी संगठन थे जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर भरोसा करते थे वे अपने व्यवसाय में लगे रहे, 25 नवम्बर, 2003 के आदेश का पालन करते हुये चूँकि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 प्रमाण–पत्र प्रदाता संस्थाओं में आती है इसलिये सरकारी आदेश का पालन करते हुये बोर्ड ने अपना पंजीयन का आवेदन दिनांक 20 मार्च, 2004 को शासन में प्रस्तुत किया।

शेष पेज 2 पर

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का स्वरुप कैसा हो?

यदि अब अस्तित्व में रहना है और अन्य पद्धतियों का मुकाबला करना है तो उनके बराबर यदि नहीं तो कोई न कोई स्तर तय करना होगा, परिस्थितियां बदल रही हैं और बदली हुई परिस्थितियों में शासकीय संरक्षण के आवरण की बहुत आवश्यकता है, पहले हमारे साथी न्यायालयों में जाकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए गुहार लगाते थे और स्थगन आदेश पा कर प्रसन्न होते थे लेकिन जब परिणाम आने लगे तो बहुत सारे साथी मैदान छोड़ गये।

आज स्थिति यह है कि इस संघर्ष में लोग तो हैं लेकिन जो भावनायें होनी चाहिये वह लुप्तप्राय है, निराशा इस कदर हावी है कि जो वर्षों से इस क्षेत्र में लगे हैं वे भी थके से हैं, यह हताशा किसी भी तरह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए ठीक नहीं है, हम सब को इससे ऊपर उठना होगा अगर इस हताशा से ऊपर नहीं उठे तो आगे की लड़ाई कैसे लड़ी जायेगी ? अब लड़ाई में न तो कोई पेंच है और न ही कोई जटिलता, सिर्फ अपने पराये का भेद छोड़कर सिर्फ और सिर्फ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए यदि कार्य किया जाये तो असम्भव जैसा शब्द भी दृष्टिगोचर नहीं होगा।

राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार द्वारा 21 जून, 2011 को एक आदेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान की राह आसान कर दी गयी है और प्रदेश स्तर पर 4 जनवरी, 2012 को उ0प्र0 सरकार द्वारा भी शासनादेश जारी किया जा चुका है, यह इस बात का प्रमाण है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय संरक्षण प्राप्त हो चुका है कार्य करने के सारे संवैधानिक अधिकार भी मिल चुके हैं ज़रूरत है तो बस हमारे साथियों को मज़बूत मनःस्थिति के साथ कार्य करने की, आदेश को लगभग 13 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन हमारे लोगों के द्वारा अभी तक इस आदेश का पूरा उपभोग और उपयोग नहीं किया जा सका है सामान्य चिकित्सक की क्या बात कहें जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्था संचालक हैं ऐसा लगने लगा है कि उनकी कार्य करने की इच्छा प्रायः लुप्त सी हो गयी है ! सिर्फ दिखावे के लिए कार्य के दर्शन करवाते हैं, पिछले दिनों इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालक से इस विषय पर संक्षिप्त वार्ता हुई तो उन्होंने उत्तर दिया आप के अलावा कौन चल रहा है ! कोई और होता तो यह उसके लिए प्रसन्नता का विषय होता, लेकिन हमारा दृष्टिकोण व्यक्तिगत न होकर सिर्फ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए है इसलिए कष्ट हुआ क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी व्यक्ति विशेष या संस्था विशेष की वस्तु नहीं है, इसके विकास के लिये हम सबका दायित्व है, सामुहिक प्रयासों से सफलता मिलती है, प्रथकता भिन्नता को जन्म देती है, इसलिए इस भेद से ऊपर उठकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य करें ज़्यादा समय नष्ट नहीं करना चाहिये, आज की परिस्थितियां आप के पक्ष में हैं शासन और सत्ता का सहयोग व समर्थन भी है इसलिए इस अवसर का उपभोग करते हुए विकास की नई इबारत लिखें अतः हमें अपनी प्राथमिकतायें तय करनी होंगी मान्यता पाने के लिए जो भी आवश्यक व्यवस्थायें हैं हमें उनपर वास्तविक कार्य करते हुये यह ढूंढना होगा कि कमियां कहाँ हैं ? और यह भी विचार करना होगा कि मान्यता पाने के लिए हम जो लड़ाई जिस ढंग से लड़ रहे हैं क्या वही तरीका उचित है ? या उसमें कुछ परिवर्तन की आवश्यकता है!

अच्छा तो यह होता कि इस महत्वपूर्ण विषय पर पूरे देश के इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शीर्ष संस्थाओं के लोग एक साथ बैठकर पुनर्विचार करते और ऐसी कोई सशक्त रणनीति तैयार करते जो कि सफलता के लिए फिट बैठती हो इसमें अधिकार और अनाधिकार के विचार को त्यागकर सिर्फ चिकित्सा पद्धति के लिए चिन्तन करना होगा, समय ज्यों-ज्यों बढ़ेगा व्यवस्थायें बदलती जायेंगी और कहीं ऐसा न हो हम ऐसी परिस्थितियों को जन्म दे दें जिसका मुकाबला हमारे साथी स्वयं न कर पायें।

सोवा रिग्पा चिकित्सा पद्धति की मान्यता किन परिस्थितियों में मिली है इस विषय पर गम्भीरता से चिन्तन करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के बारे में चिन्तन करना आवश्यक होगा, हम अपने सभी साथियों से निवेदन करते हैं कि आइये कुछ नया करें नये लोगों को जोड़ें नयी ऊर्जा को जन्म दें, उत्साह को जन्म दें, सफलता उसी को मिलती है जो संघर्ष करता है आइये सब मिलकर एक बार मन से संघर्ष करें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता ....पेज 1 से आगे

फलतः सात वर्ष के वनवास के बाद 5-5-2010 को इलेक्ट्रो होम्योपैथी को एक नई संजीवनी प्राप्त हुई और तब से लेकर आज तक लगातार इलेक्ट्रो होम्योपैथी निरन्तर मज़बूती की तरफ़ बढ़ रही है, 25 नवम्बर, 2003 के आदेश के आलोक में 04 जनवरी, 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए शासनादेश जारी किया गया, ज्ञातव्य हो कि इसके पूर्व 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण आदेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मज़बूती प्रदान की गयी है, बताते चलें कि 21 जून, 2011 का आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में सबसे पुराने संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (E.H.M.A.I.) को यह गौरव प्राप्त हुआ है, निसन्देह आप सोच रहे होंगे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (E.H.M.A.I.) की स्थापना तो 25 जुलाई, 1978 को की गयी थी इसके पूर्व भी कई संगठन थे ऐसे में यह संगठन सबसे पुराना कैसे हो गया ?

बात सही है यह संगठन 1978 में अस्तित्व में आया था इसकी आवयकता इसलिये पड़ी क्योंकि जो संगठन थे वे केवल नाम के थे, धरातल पर इनकी कोई अपनी पहचान नहीं थी और न ही यह संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कोई कार्य करते थे, यह मात्र नाम के ही थे जबकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (E.H.M.A.I.) अपने स्थापना वर्ष से इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े सभी चिकित्सकों के हित में कार्य करने में जुट गयी थी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित के लिये सरकारी स्तर अपनी लिखा पढ़ी भी समय समय पर करती रही, संगठन का कार्य केवल लिखा पढ़ी तक सीमित नहीं था वरन कोई चिकित्सक यदि सरकारी तंत्र से पीड़ित होता तो उसके लिये समय पड़ने पर अनशन, प्रदर्शन तक किया करती थी, यही कारण रहा कि सरकारी दफ्तरों में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (E.H.M.A.I.) का नाम दर्ज था, शासन स्तर पर भी इस संगठन में अपनी पहचान बनाई और 21 जून, 2011 का आदेश जो हुआ वह सिद्ध करता है कि शासन में सरकार ने इसे मान्यता दी है।

2011 से लेकर 2016 तक भारत सरकार द्वारा समय समय पर एडवाइज़री व एपेन्डिक्स भी जारी किये गये हैं, यह एडवाइज़री इस बात की पुष्टि करती है कि भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्वीकार कर चुकी है परन्तु 2010 से लेकर 2016 तक भारत के ऐसे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संगठन जो व्यक्तिगत अधिकार पाने के लिए संघर्षरत थे उन्होंने तरह तरह के आन्दोलन किये।

भारत सरकार के पास मान्यता के लिए प्रतिवेदन भेजे, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए बिल सदन में लाने का प्रयास किया, जब यह प्रयास चल रहे थे उसी तारतम्य में किसी आर0 टी0 आई0 कार्यकर्ता ने भारत सरकार से यह प्रश्न कर लिया कि होम्योपैथी और आयुर्वेद को किस आधार पर मान्यता दी गयी है ?जब विभाग द्वारा समुचित उत्तर नहीं प्राप्त हुआ तो यही प्रश्न सूचना आयोग तक पहुँचा और इसी के परिणाम की उत्पत्ति है कि 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार द्वारा जारी नोटिस यद्यपि इस नोटिस के माध्यम से भारत सरकार ने जो भी सूचनायें मांगी है उसमें से अधिकांश सूचनाओं के उत्तर, भारत सरकार के पास हैं।

जिस गुणवत्ता और उपयोगिता की बात इस नोटिस में की गयी है वह एक सरकार द्वारा फैलाया गया भ्रमजाल है हम यह दावा करें कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियां बहुत लाभकारी हैं, उनसे कोई हानि नहीं होती है, इसका कोई शासकीय प्रमाण या सरकारी पुष्टि हम में से किसी के पास उपलब्ध नहीं है, क्योंकि सरकार सिर्फ अपनी बात मानती है जब तक वह कोई निगरानी उपक्रम नहीं बनाती तब तक दावे सिर्फ दावे ही रहेंगे।

सन 1953 में प्रदेश सरकार द्वारा स्व0 डा0 एन0 एल0 सिन्हा जी को जो रोगी दिये गये थे उनकी निगरानी स्वयं तत्कालीन नगर सिविल सर्जन (आज के सी0 एम0 ओ0) कर रहे थे और उन्हीं की संस्तुति के आधार पर सरकार ने गुण दोषों के आधार पर 27 मार्च, 1953 को एक अर्ध-शासकीय पत्र जारी किया था।

यह हमारी स्वीकारिता थी कि हमारे साथी यदि किसी मृगतृष्णा में जी रहे हैं उससे हमें बाहर निकलना चाहिये और यथार्थ की कड़वी सच्चाई को समझते हुए सरकार का सामना करना होगा चूंकि हम यहाँ तक आये हैं आगे भी जायेंगे, यही विश्वास हमारी सफलता का आधार बनेगा, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आधार को चुनौती देना आसान नहीं है, यह अलग बात है कि हमारे अपने साथी ही यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की नई परिभाषा गढ़ लें, तो भले ही दिशा में थोड़ा अन्तर हो जाये परन्तु गत सौ वर्षों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने जो भरोसा अर्जित किया है उसे हमारे साथी सुगमता से कदापि टूटने नहीं देंगे।

"हमें जितना भरोसा स्वयं पर है उससे कहीं ज़्यादा अपनी विधा पर।"

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन लखनऊ में

पी0 आर0 डी0 मेडिकल सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्यापैथी की ओर से दुबग्गा लखनऊ में निः शुल्क चिकित्सा शिविर में डा0 पी0 आर0 धूसिया एवं अन्य छाया गज़ट

उत्तर प्रदेश शासन
चिकित्सा अनुभाग–6
कार्यालय ज्ञाप

संख्या–2914 / पाँच–6–10–23रिट / 11दिनांक 04 जनवरी, 2012

के अनुसार

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 भारत सरकार के आदेश दिनांक 25–11–2003 एवं 05–05–2010 के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित कर इलेक्ट्रो होम्यापैथी पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, पंजीकरण, अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य करता है।

Offered Courses

Name of the Course	Abbreviation	Eligibility	Duration
Fellow of Medicine in Electro Homoeopathy	F.M.E.H.	10+2 (Any Stream) or Equivalent	Two Years (4 Semester)
Certificate in Electro Homoeopathy	C.E.H.	10th. Standard or Equivalent	2 Years
Advance Certificate in Electro Homoeopathy	A.C.E.H.	RegisteredPractitioner in any Branch or Equivalent	1 Year
Graduate in Electro Homoeopathic System	G.E.H.S.	10+2 (Bio Group) or Equivalent	4 Years Plus (1 Year Internship)
Post Graduate in Electro Homoeopathy	P.G.E.H.	Graduate in any Medical Stream or Equivalent	2 Years

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्या0 : 127 / 204 "एस" जूही,कानपुर–208014
website: www.behm.org.in

List of Medical Institutes/Institute

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
1	01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute	RAIBARELY	EH Dr. P. N. Kushwaha 9415177119
2	03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute	LUCKNOW	Dr. Ashutosh Kapoor 7007592773 , 9125720111
3	05	Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute	JAUNPUR	EH Dr. P. K. Maurya 9451162709
4	06	Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	LAKHIMPUR	EH Dr. R.K. Sharma 9454236971
5	11	Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute	AZAMGARH	EH Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163
6	12	Institute of Electro Homoeopathy	KANPUR	Contact No 9450153215,9415074806
7	13	Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor	BARABANKI	EH Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344
8	14	Dr. R. C. Upadhyay Institute of Electro Homoeopathic	SADABAD	Dr. Mamita 8193940245
9	15	Electro Homoeopathic Medical Institute	SHAHJAHANPUR	EH Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277
10	16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute	Shahganj JAUNPUR	EH Dr. S. N. Rai 9450088327
11	17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	SIDDHARTH NAGAR	Dr. Ved Prakash Srivastav 9936022029

List of Study Centres

Sr.	Code	Name	District	Principle/ Manager & Mob.No.
12	51	Fatehpur E.H. Study Centre	FATEHPUR	EH Dr. Vakeel Ahmad 8115210751
13	52	Deoria E.H. Study Centre	DEORIA	EH Dr. P. K. Srivastav 9415826491
14	53	Bahraich E.H. Study Centre	BAHRAICH	Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214
15	54	Unnao E.H. Study Centre	UNNAO	EH Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052
16	55	Walidpur E.H. Study Centre	Walidpur MAU	EH Dr. Ayaz Ahmad 9305963908
17	56	Aarti E.H. Study Centre	JALAUN	EH Dr. Gaya Prasad 8874429538
18	57	B.K. E.H. Study Centre	HAMIRPUR (U.P.)	EH Dr. N.B.Nigam 7007352458
19	58	Electro Homoeopathic Study Centre	Hasanganj UNNAO	Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843
20	59	Sirsaganj E.H. Study Centre	Sirsaganj FIROZABAD	EH Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421
21	60	Etawah E.H. Study Centre	ETAWAH	EH Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346
22	61	Firozabad E.H. Study Centre	FIROZABAD	EH Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885
23	62	D.L.M.M. Study Centre of E.H.	MAHARAJGANJ	EH Dr. Prince Srivasta 7398941680
24	63	Kushwaha E.H. Study Centre	KANPUR	EH Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649
25	64	Rajendra E.H. Study Centre	VARANASI	Mr. Shashi Kant Maurya 7007730953
26	65	P. R. D. Medical Centre of Electro Homoeopathy	LUCKNOW	EH Dr. Parikhan Ram Dhusia 9250959501
27	66	Electro Homoeopathic Study Centre	MAINPURI	EH Dr. Bahadur Ali 8273125464

AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Sr.	Code	Head of Centre	Address	District
28	81	Gautam Budh Electro Homoeopathic Study Centre	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, DELHI-110090	EH Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565
29	82	The New Era of Electro Homoeopathy Study/Guidance Centre	12/1891 Ground Floor, Shop No: 3, Honey Park Apartment, Saiyed Wada, Shahpore, SURAT-395003	EH Dr. Abdul Rahman Khan Mobile No 8000241542

LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

Sr.	Code	Name of Examination Centre	Address	Name of Supdt. & Mobile No.
30	91	Khurja E.H. Examination Centre	Kurja , BULAND SHAHAR	EH Dr. P. K. Raghav 7505186156
31	92	E.H. Examination Centre, Moradabad	MORADABAD	EH Dr. S.K. Saxena 8171869605
32	94	E.H. Examination Centre	B.E.H.M.UP. KANPUR	Registrar B.H.M.U.P 0512-2970704
33	96	E.H. Examination Centre	RAIPUR (Chattisgarh)	Dr. Rakesh Dubey 7714915587

बी० ई० एच० एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रमताल का तालाब, जूही, कानपुर-208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर-208014 से प्रकाशित किया, इस अंक में प्रकाशित सामग्री के विवाद के सम्बंध में पी०आरबी० एक्ट के अन्तर्गत प्रकाशक उत्तरदायी होगा।

Registrar
B.E.H.M.U.P.